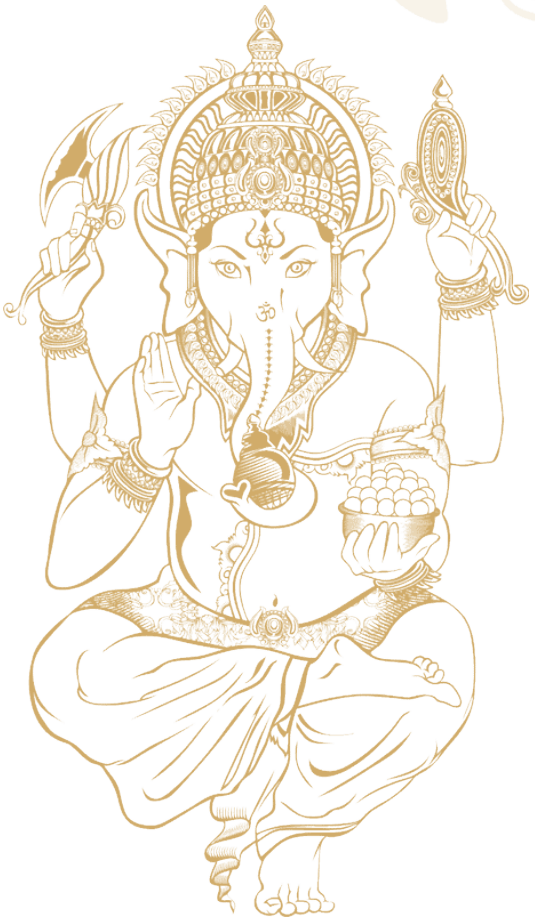

Ashish Kumar

Bhavana vishnoi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121017905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/01/1987	जन्म तिथि	22/11/1985
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 11:00:00	जन्म समय	20:35:00 घंटे
घटी 09:58:35	जन्म समय(घटी)	34:56:26 घटी
India	देश	India
Dibiyapur	स्थान	Bharthana
26:38:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
79:32:00 पूर्व	रेखांश	79:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:11:52	स्थानिक संस्कार	-00:13:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:34	सूर्योदय	06:37:50
17:47:21	सूर्यास्त	17:20:29
23:40:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:39:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 8वर्ष 5मा 22दि		27:02:01	मीन	लग्न	मिथु	23:50:04	शनि 4वर्ष 5मा 4दि	
बुध		10:00:20	मक	सूर्य	वृश्चि	06:36:21	शुक्र	
18/07/2014		26:16:02	तुला	चंद्र	मीन	13:33:28	28/04/2014	
18/07/2031		17:18:14	मीन	मंगल	कन्या	22:35:39	28/04/2034	
बुध	13/12/2016	17:44:06	मक	बुध व	वृश्चि	20:02:08	शुक्र	28/08/2017
केतु	11/12/2017	28:01:10	कुंभ	गुरु	मक	17:22:29	सूर्य	28/08/2018
शुक्र	10/10/2020	23:21:07	वृश्चि	शुक्र	तुला	22:38:10	चन्द्र	28/04/2020
सूर्य	17/08/2021	24:06:50	वृश्चि	शनि	वृश्चि	07:00:07	मंगल	28/06/2021
चन्द्र	16/01/2023	20:42:36	मीन व	राहु	मेष	15:28:23	राहु	28/06/2024
मंगल	14/01/2024	20:42:36	कन्या व	केतु	तुला	15:28:23	गुरु	27/02/2027
राहु	02/08/2026	01:12:36	धनु	हर्ष	वृश्चि	23:28:18	शनि	28/04/2030
गुरु	07/11/2028	12:51:40	धनु	नेप	धनु	08:29:25	बुध	26/02/2033
शनि	18/07/2031	16:11:48	तुला	प्लूटो	तुला	12:01:53	केतु	28/04/2034

लग्न-चलित

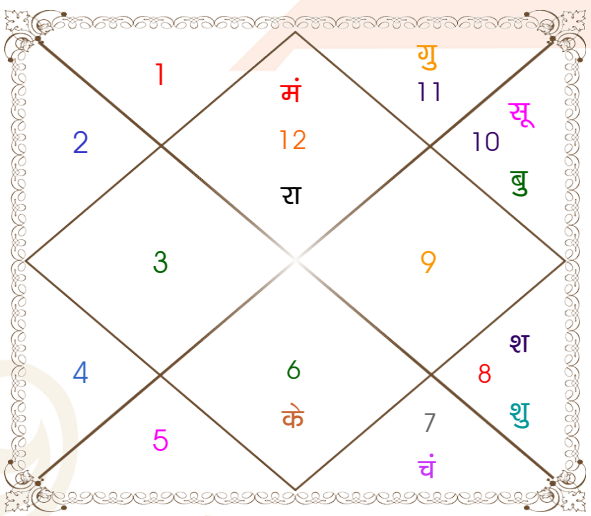

लग्न-चलित

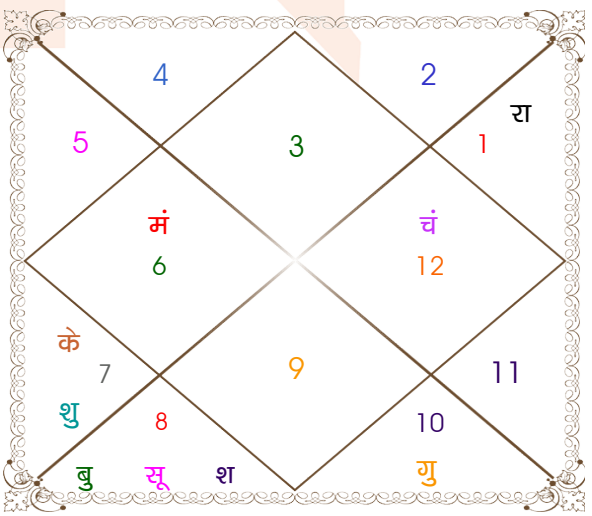

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	गौ	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ीपेी ज्ञनउंत का वर्ग सर्प है तथा Bhavana vishnoi का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीपेी ज्ञनउंत और Bhavana vishnoi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ीपेी ज्ञनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ीपेी ज्ञनउंत कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Bhavana vishnoi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Bhavana vishnoi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ोपी ज्ञनउंत तथा Bhavana vishnoi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।